अनुक्रमणिका

क्र.स.	विवरण	पेज सं.
1	अब सौंप दिया इस जीवन का सब भार तुम्हारे हाथों में	1
2	आनन्द आयो रे सत गुरूसा/आरती इस विध गुरू की करिए	2
3	अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो	3
4	भादरवा री बीज	4
5	बनवारी रे जीने का सहारा तेरा नाम रे	5
6	बंगला खूब बना महाराज जिसमें नारायण बोले	6
7	बड़ी देर भई नंदलाला, तेरी राह तके ब्रजवाला	6
8	बिगड़ी कौन सुधारे नाथ बिन, बिगड़ी कौन सुधारे रे	7
9	भला किसी का कर ना सको तो, बुरा किसी का मत करना	8
10	भए प्रगट कृपाला दीनदयाला	9
11	भक्तों को दर्शन दे गई रे, एक छोटी-सी कन्या	10
12	भाया जीणों जग में दो दिन, प्रेम बढ़ावणो रे	11
13	भूलो सभी को तुम, मगर माँ बाप को भूलो नहीं	12
14	चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है	13
15	छोटी-छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल	14
16	चदरिया झीणी रे झीणी	15
17	छुप-छुप आए श्याम, लेके ग्वाल बाल है	16
18	दाता एक राम भिखारी सारी दुनिया	17
19	देख लिया दुनिया का सारा नज़ारा	18
20	देना हो तो दीजिये, जन्म जन्म का साथ	19
21	दूर नगरी बड़ी दूर नगरी, कैसे आऊं रे सांवरिया	20
22	दुनिया चले ना श्रीराम के बिना	21
23	ऐ मालिक तेरे बन्दे हम, ऐसे हो हमारे करम	22
24	एक बार आवोजी गोपाल म्हारे पावणा	23
25	एक दिन वो भोले भण्डारी, बन करके ब्रज नारी	24
26	एक झोली में फूल भरे हैं, एक झोली में काँटे रे	25
27	ऐसी लागी लगन, मीरा हो गई मगन	26
28	एक डोली चली एक अर्थी चली	27
29	इतना तो करना स्वामी, जब प्राण तन से निकले	28
30	इतनी शक्ति हमें देना दाता	29
31	इस आलीशान मकान का क्या देते हो आप किराया	30
32	जहाँ नेमि के चरण पड़े	31
33	जग में सुंदर है दो नाम, चाहे कृष्ण कहो या राम	32
34	जै गोविन्दा गोपाला मनमोहन कृष्ण कन्हैया	33
35	जिस हाल में, जिस देश में, जिस वेश में रहो	34
36	कभी प्यासे को पानी पिलाया नहीं	35
37	कभी राम बन के, कभी श्याम बन के	36
38	कभी-कभी भगवान् को भी भक्तों से काम पड़े	37
39	खड़ी गोपियां पूछे राधा एकली एकली जातोड़ा	38